वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 48 | शुक्रवार 16 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

डोटासरा बोले-आरक्षण खत्म करने का फंडा लाएगी भाजपा

कहा-राजस्थान में जिसका जितना हिस्सा, उसे उतना रिजर्वेशन; हो सकती है जातिगत जनगणना

जयपुर. कासं

प्रदेश में एक बार फिर से जातिगत जनगणना का मुद्दा छिड़ गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चुनाव से ऐन वक्त पहले जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया है। इतना ही नहीं उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी रिजर्वेशन खत्म करने का फंडा लाएगी। दरअसल, गुरुवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज भवन में यूथ कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में सीएम अशोक गहलोत समेत कांग्रेस के कई नेता और पदाधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में डोटासरा ने कहा- हमारे सीएम बार-बार कह रहे हैं जातिगत जनगणना हो, इसके लिए पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। हम जातिगत जनगणना करवा रहे हैं। जिसका जितना हिस्सा, उसे उतना आरक्षण होने वाला है। आरएसएस बीजेपी वाले बौखला गए हैं, उनकी संख्या बहुत कम है, इसलिए इसका विरोध कर रहे हैं। हमने जातिगत जनगणना के बारे में कह दिया और हमने समर्थन कर दिया तो इन्हें तकलीफ हो रही है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा- बीजेपी नेता कांग्रेस सरकार रिपीट की जगह डिलीट की बात कह रहे हैं। यह तो कोई कह सकता है, लेकिन 2024 में केंद्र सरकार का जनता तख्तापलट करेगी। अब तो आरएसएस भी यह कहने लगा है, मोहन भागवत भी कहने लगे हैं कि मोदी और मोदी की बातों में दम नहीं है। कोई नया फंडा लाना पड़ेगा। नया फंडा यह है कि ये आरक्षण समाप्त करने की ओर चल रहे हैं, जो मेरी पार्टी और हम सब मिलकर इसे कभी कामयाब नहीं होने देंगे।

विधायक हरीश चौधरी ने गहलोत को लिखा था पत्र और विधानसभा में भी उठाया था मुद्दा

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य और राजस्थान में बायतु (बाड़मेर) से कांग्रेस के विधायक हरीश चौधरी ओबीसी से जुड़े मामले पर लगातार मुखर रहे। 30 सितंबर-2023 को उन्होंने लंबे आंदोलन के बाद अपनी ही सरकार के खिलाफ जयपुर में धरना दिया था। तब उन्होंने ओबीसी आरक्षण में से पूर्व सैनिकों को मिलने वाली हिस्सेदारी का विरोध किया था। अब हाल ही में उन्होंने विधानसभा में प्रदेश की कांग्रेस सरकार से मांग की थी कि प्रदेश में भी ओबीसी को 21 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। इस संबंध में चौधरी ने सीएम को पत्र लिखकर राजस्थान में ओबीसी की जनसंख्या लगभग 50 प्रतिशत होने की बात कहकर भी यही मांग की थी।

विधानसभा की 150 सीटों पर ओबीसी वर्ग के वोटर पहले से तीसरे नंबर पर

प्रदेश की 200 में से लगभग 150 विधानसभा सीटों पर ओबीसी मतदाताओं की अनुमानित संख्या पहले, दूसरे या तीसरे-चौथे नंबर पर रहती है। केवल दक्षिणी राजस्थान के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, सिरोही, राजसमंद और बारां जैसे जिलों की लगभग 50 विधानसभा सीटों पर इस वर्ग की बहुलता नहीं है। ऐसे ही प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों में से वर्तमान में सीकर, चूरू, अलवर, झुंझुनूं, नागौर, अजमेर, टोंक-सवाईमाधोपुर, जालोर-सिरोही, जैसलमेर-बाड़मेर, पाली, बारां-झालावाड़ (कुल 11 सीट) की लोकसभा सीटों पर ओबीसी समुदाय के सांसद चुने गए हैं। इनमें से 7 सीटों पर जाट समुदाय से आने वाले नेता सांसद हैं। इन सांसदों में भागीरथ चौधरी (अजमेर), दुष्यंत सिंह (बारां-झालावाड़), कैलाश चौधरी (जैसलमेर-बाड़मेर), सुमेधानंद सरस्वती (सीकर), नरेंद्र कुमार (झुंझुनूं), राहुल कस्वा (चूरू) और हनुमान बेनीवाल (नागौर) शामिल हैं। महंत बालकनाथ (अलवर), पीपी चौधरी (पाली), देवजी पटेल (जालोर-सिरोही) और सुखबीर सिंह जौनापुरिया (टोंक-सवाईमाधोपुर) भी ओबीसी वर्ग से ही आते हैं।

नंदजी के अंगना में बज रही आज बधाई, प्रकटे कान्हा खुशियों की घड़ी आई...

भागवत कथा में छाया कृष्ण जन्म का उल्लास, हर तरफ बन गया खुशी का माहौल

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बधाई हो बधाई के साथ हर तरफ गूंज नंद के आनंद भैयो जय कन्हैयालाल की हो रही थी। नंदजी के अंगना में बज रही आज बधाई जैसे गीतों पर सैकड़ो भक्तगण एक साथ खुशी से झूम रहे थे, बच्चा हो या बुर्जुग, महिला हो या पुरूष हर श्रद्धालु खुशी के सागर में डूबकी लगाने को उतारू था, कोई अपनी खुशी जताने से पीछे नहीं रहना चाहता था। हर चेहरे पर उल्लास छाया हुआ था और सभी तारणहार कृष्ण जन्म की खुशी में डूबे हुए थे। ये नजारा गुरूवार दोपहर शहर के देवरिया बालाजी रोड स्थित आरके आरसी माहेश्वरी भवन में अलवर से आए स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज के सानिध्य में काष्ट परिवार की ओर से आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के चौथे दिन श्री राम चरित्र एवं श्री कृष्णजन्म नंदोत्सव प्रसंग के वाचन के दौरान साकार हुआ। कथा के दौरान जब कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया तो ऐसा लगा मानों कथास्थल आरके आरसी माहेश्वरी भवन ही नंदगांव बन गया हो। व्यास पीठ पर विराजित स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज के बधाई गीतों के साथ सैकड़ो भक्त झूमते रहे और एक-दूसरे को कृष्ण जन्मोत्सव की बधाईयां देते रहे। कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग में वासुदेव, नंदबाबा, यशोदा आदि की सजीव झांकियों ने भक्तों का मन जीत लिया। वासुदेव टोकरी में रख बाल गोपाल को लेकर मंच पर पहुंचे तो हर तरफ भगवान कृष्ण के जयकारे लगते रहे। भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाने के दौरान पुष्पवर्षा होती रही और श्रद्धालु खुशी से झूमते हुए नृत्य करते रहे। कृष्ण जन्मोत्सव मनाने के लिए पांडाल में विशेष सजावट की गई थी। स्वामी सुदर्शनाचार्यजी महाराज ने कहा कि भगवान का अवतार पुण्यात्माओं की रक्षा करने एवं पापियों का नाश करने के लिए होता है। भगवान कृष्ण के धरा पर अवतार लेते ही जो कारागृह अंधकार में डूबा हुआ था वहां उजाला हो गया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत में सुखदेवजी महाराज ने राजा परीक्षित को नरक में जाने से बचने का रास्ता भी बताया है। ऐसा कोई इंसान नहीं जिससे कोई पाप नहीं हुआ हो। परमात्मा की कृपा से ही व्यक्ति अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है। जब तक मनुष्य भगवान की शरण में नहीं जाएगा उसका कल्याण नहीं हो सकता। कथा के अंत में व्यास पीठ की आरती करने वालों में नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष धर्मेन्द्र पारीक, एडवोकेट वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष दुर्गेश शर्मा, डीबीए भीलवाड़ा के पूर्व महासचिव राघवेन्द्रनाथ व्यास, राकेश जैन, अधिवक्ता सुनील मंडोवरा, संजय सेन, विशाल उपाध्याय, दीपक कोठारी, अंशुल शर्मा, सत्यनारायण सोमानी, विजय डोलिया, भागवत सेवा समिति सुभाषनगर के संरक्षक राधेश्याम बहेड़िया, हरिशंकर पारीक, विद्याधर लाड़ आदि शामिल थे।

जीवन में भक्ति,ज्ञान व वैराग्य की पुष्टि के लिए श्रीमद् भागवत श्रवण जरूरी: श्रीजी महाराज

जन्म-जन्मान्तर के पुण्यों का उदय होने पर मिलता भागवत कथा श्रवण का सुअवसर। श्री दूधाधारी गोपालजी महाराज का नूतन महल प्रवेश महोत्सव के तहत श्रीमद् भागवत कथा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रीमद् भागवत कथा श्रवण का अवसर जन्म-जन्मान्तर के कितने ही पुण्यों का उदय होने पर भाग्योदय से ही मिलता है। इसे श्रवण करने का एक बार अवसर मिल जाए तो ही जीवन का कल्याण हो जाता है यहां तो अष्टोत्तर शत श्रीमद भागवत मूल पाठ का अवसर मिला है इससे श्रेष्ठ कुछ नहीं हो सकता। भागवत भगवान के दिव्य स्वरूप व उसके दिव्य चरित्रों का दर्शन कराने वाली है। ये विचार ठाकुर श्री दूधाधारी गोपालजी महाराज का नूतन महल प्रवेश महोत्सव के तहत नूतन महल प्रवेश महोत्सव समिति के तत्वावधान में अग्रवाल उत्सव भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन गुरूवार को व्यास पीठ से श्री निम्बाकार्चार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्यश्री ह्यश्रीजीह्व महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि परम पावन भीलवाड़ा नगरी में हो रहे भगवान श्रीकृष्ण की कथा के इस आयोजन में शामिल होकर हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। भक्ति, ज्ञान व वैराग्य की पुष्टि के लिए श्रीमद् भागवत श्रवण जरूरी है। भगवान को भक्ति बहुत प्रिय है ओर जो भक्ति का दामन पकड़ लेता है वे सीधे भगवान के समीप पहुंच जाता है।

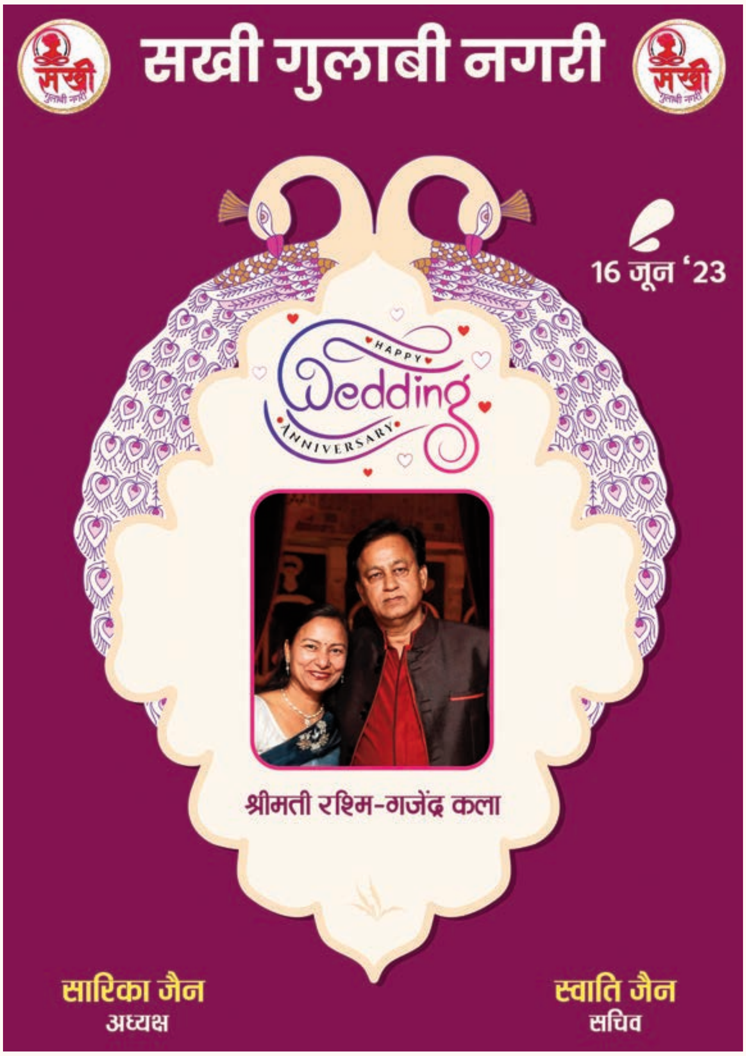

मां छिन्नमस्तिका रजप्पा की विशेष पूजा के बाद बोली राजे

पीएम मोदी ने 9 साल में वो कर दिखाया जो 9 गैर भाजपाई पीएम नहीं कर सके

जयपुर. कासं। वसुंधरा राजे पिछले 3 दिनों से झारखंड के दौरे पर है। आज गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र में महाजनसम्पर्क अभियान को संबोधित करते हुए वसुंधरा राजे ने कहा कि असंभव को संभव करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तासीर है। उन्होंने 9 साल के कार्यकाल में वो कर दिखाया, जो 9 गैर भाजपाई प्रधानमंत्री नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अपने करिश्माई नेतृत्व के दम पर आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में सबसे ताकतवर नेता हैं। महाजनसम्पर्क अभियान के तहत राजे को झारखंड की 4 लोकसभा सीटों की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रशिक्षित हुए बच्चों को पुरस्कृत कर किया उत्साहवर्धन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की सरावगी मोहल्ला इकाई की ओर से आयोजित दस दिवसीय जैन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन सरावगी मोहल्ला स्थित श्री दिगंबर जैन भाग्य मातेश्वरी विद्यालय में किया गया जिसमे 30 से अधिक बच्चो को समिति सदस्य एवम विदुषी ललिता जैन,मंजू गंगवाल एवम शशि गंगवाल ने धार्मिक शिक्षा दी इस कड़ी में सभी बच्चो की 14 जून को परीक्षा ली गई। प्रथम, द्वितीय,तृतीय व सातवना पुरस्कार विद्यालय के प्रशासक रहे स्वर्गीय ताराचंद पाटनी परिवार के द्वारा दिए गए। इकाई अध्यक्ष किरण गोधा एवम मंत्री हिना काला ने बताया कि शिविर में प्रतिदिन प्रातः 7 बजे छोटा धड़ा मंदिर जी में पूजन करवाया गया तत्पश्चात सभी बच्चो को जैन धर्म की शिक्षा दी गई साथ ही सायंकाल में भी सभी बच्चो को धर्म का ज्ञान दिया गया। इस अवसर पर सभी के मनोरंजनार्थ खेल कूद,नाटिका आदि के साथ अल्पाहार की व्यवस्था की गई एवम उपहार दिए गए। शिविर के दीप प्रज्जवलनकर्ता मंजुला रावका, मंगल कलश स्थापना चाँद बाई, मंजू गदिया,चित्र अनावरण भवरी बाई बड़जात्या, पाठ्य सामग्री प्रदाता सुशीला दोसी, पूजन सामग्री प्रदाता सरला झाँझरी व अन्य सामग्री प्रदाता सूरज कासलीवाल रही। इस अवसर पर समिति संरक्षक निर्मला पांड्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा,मंत्री सरला लुहाड़िया आदि ने शिविर का अवलोकन किया। प्रशिक्षित हुए बच्चो में दक्षता जैन, प्रियल जैन,दक्षिता जैन श्रेष्ठ रहे। अंत मे समिति अध्यक्ष मधु पाटनी ने शिविर के संयोजको को धन्यवाद दिया।

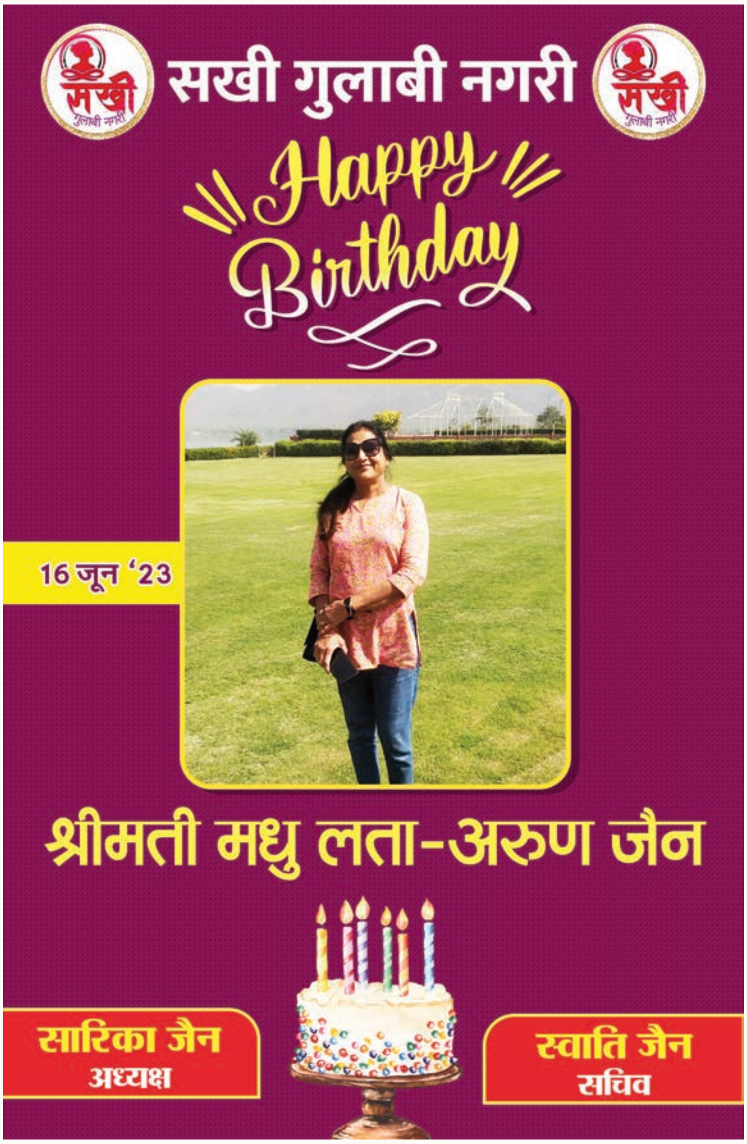

वेद ज्ञान

प्रेम की अनुभूति

संसार में शायद ही कोई ऐसा प्राणी मिले जिसे प्रेम की अनुभूति अपने जीवन-काल में नहीं हुई हो। मनुष्य और पशु-पक्षियों से लेकर लगभग हर प्राणी को किसी न किसी रूप में प्रेम की अनुभूति होती ही है। इनमें मनुष्य एकमात्र ऐसा है जिसमें विवेक शक्ति अन्य प्राणियों की अपेक्षा बहुत अधिक होती है। इस कारण मनुष्य के प्रेम का क्षेत्र अन्यों की अपेक्षा अधिक विस्तृत और व्यापक होता है। मनुष्य किसी दूसरे मनुष्य से लेकर पशु-पक्षियों और संपूर्ण प्रकृति के किसी भी प्राणी-मात्र के प्रति प्रेमानुभूति के अधीन हो सकता है। हम देख सकते हैं कि अनेक लोग पशु-पक्षियों का इस तरह लाड़ से पालन-पोषण करते हैं और उनके प्रति प्रेमासक्त रहते हैं कि जैसे वे उनकी मानो संतान हों। यह प्रेम है। प्रेम अनिश्चितताओं से पूर्ण और तर्कों से परे होता है। निस्संदेह यह केवल एक दृष्टि में किसी सोच-विचार के बगैर अनायास ही हो जाता है। जो सोच-विचार कर किया जाए वह कुछ और हो सकता है, प्रेम नहीं। कुछ विद्वान इस एक दृष्टि के प्रेम को आकर्षण भी कहते हैं। निश्चित तौर पर इसमें आकर्षण का महत्व होता है, परंतु पूर्णतः नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि यदि ऐसा होता तो हर मनुष्य को सर्वाधिक आकर्षक मनुष्य या अन्य किसी भी सर्वाधिक आकर्षक प्राणी से ही प्रेम होता, परंतु ऐसा नहीं है। निरपवाद रूप से हम देखते हैं कि जो व्यक्ति जिससे प्रेम कर लेता है, उसके लिए वही सर्वाधिक आकर्षक हो जाता है। इसलिए निष्कर्षतः कह सकते हैं कि आकर्षण से प्रेम नहीं उत्पन्न होता, बल्कि प्रेम से आकर्षण की उत्पत्ति होती है। आधुनिक विचारों से प्रभावित युवाओं द्वारा प्रेम के नाम पर अभी जिस प्रकार की वृत्तियों का परिचय दिया जा रहा, वह प्रेम नहीं मनोरंजन का एक उपक्रम भर है। अधिकांश युवाओं को हर उस क्षण प्रेम हो जाता है जब उनके समक्ष कोई रूपवान युवती आती है। उनका यह कथित प्रेम रेत के घर जितना भी नहीं टिकता। फिर वे प्रेम के विषय में अनेक निराशाजनक धारणाएं बना लेते हैं। जबकि वास्तव में वे प्रेम से गुजरे ही नहीं होते, वे तो सिर्फ प्रेम के नाम पर मजाक कर रहे होते हैं। युवाओं की यह प्रेम विषयक अज्ञानता न केवल उनकी दृष्टि में प्रेम के प्रति नकारात्मक धारणाएं उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक रूप से भी प्रेम के स्तर को क्षति पहुंचाने का काम कर रही है।

संपादकीय

बेतरतीब कॉलोनियों में आग पर काबू पाना नहीं है आसान

हर साल कई झुग्गी-झोपड़ियां जल कर खाक हो जाती और हजारों हजार लोग बेघर हो जाते हैं। अनियोजित तरीके से बनी अनधिकृत कालोनियों में आग पर काबू पाना हमेशा चुनौती होता है। कई कारखाने जल कर नष्ट हो जाते हैं। उनमें काम करने वाले लोग नाहक जान गंवा बैठते हैं। हर साल जब आग लगने की घटनाएं होती हैं, तो सुरक्षा मानकों पर गंभीरता से ध्यान देने का संकल्प दोहराया जाता है। मगर हैरानी की बात है कि बाकायदा नियम-कायदों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए सरकारी भवनों, बहुमंजिला इमारतों में भी आग लगने की घटनाओं को रोक पाना चुनौती साबित होता है। ऐसे भवनों में अक्सर आग की बड़ी वजह बिजली के तारों के परस्पर जुड़ जाने से पैदा हुई चिनगारी को माना जाता है। सोमवार को दो बड़ी आग की घटनाओं ने एक बार फिर इस चिंता को रेखांकित किया कि आखिर कब आग लगने की घटनाओं पर पूरी तरह काबू पाने का तंत्र विकसित किया जा सकेगा। गाजियाबाद की एक इमारत में आग लगने से दो महिलाओं की मौत हो गई। दूसरी घटना भोपाल के सतपुड़ा भवन में घटी, जिसमें राज्य सरकार के कई कार्यालय हैं। वहां लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल, सेना और हेलिकाप्टरों की मदद लेनी पड़ी। भारत में गर्मी का मौसम लंबा होता है और जिस तरह यहां सघन बसावट है, गांवों से पलायन कर शहरों में आए लोग सिर छिपाने के लिए कहीं फूस, प्लास्टिक, लोहे की चादरों से ठिकाना बना लेते हैं, उसमें आग लगने के खतरे हमेशा बने रहते हैं। मगर उनकी तरफ प्रशासन इसलिए गंभीरता से ध्यान नहीं दे पाता कि उसकी मानसिकता गरीबों के प्रति उपेक्षा की होती है। मगर सवाल है कि दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु, कोलकाता जैसे महानगरों में जिस तरह लोगों ने अवैध तरीके से बस्तियां बसा रखी हैं या फिर जिन बस्तियों को सरकार ने मंजूरी दे रखी है, उनमें भी आग की भयावह घटनाएं होती रहती हैं। उन बस्तियों में दमकल की गाड़ियों के पहुंचने तक की गुंजाइश नहीं होती। जैसे-तैसे वे जब तक पहुंचती हैं, तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। गाजियाबाद की जिस इमारत में आग लगी, उसमें तंबू-कनात और सजावटी सामान का गोदाम था। ऊपर के तले पर परिवार रहता था। इस तरह जहां भी रिहाइशी भवनों का व्यावसायिक इस्तेमाल होता है, वहां ऐसे खतरे बने रहते हैं। मगर हर साल इतनी घटनाएं हो जाने के बाद भी नगर निगमों की आंखें नहीं खुलतीं। नियम के मुताबिक बहुमंजिला इमारतों और सार्वजनिक भवनों, विशाल व्यावसायिक स्थानों में अग्निशमन का पुख्ता इंतजाम जरूरी है। इस नियम के पालन में अगर कहीं कोताही देखी जाती है तो उस इमारत का पंजीकरण रद्द किया जा सकता है, उस पर ताला लटकाया जा सकता है। मगर इसे क्या कहें कि भोपाल के सरकारी भवन में ही आग की ऐसी भीषण घटना हो गई कि उस पर काबू पाने के लिए नाकों चने चबाने पड़े। जाहिर है, अगर उसमें अग्निशमन के संयंत्र लगे होते तो आग इतना विकराल रूप न लेने पाती।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अहम इम्तिहान

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में उतरेगी जिसे वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए एक अहम परीक्षा माना जा रहा है। टीएमसी नेतृत्व का मानना है कि लोकसभा और ग्रामसभा चुनावों का असर अलग-अलग हो सकता है। हालांकि, राज्य की अधिक से अधिक संसदीय सीट हासिल करने के लिए बंगाल के ग्रामीण इलाकों में जीत दर्ज करना महत्त्वपूर्ण है। राज्य के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होने वाले हैं, जिसमें 5.67 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों की लगभग 74,000 सीट के लिए प्रतिनिधियों का चयन करने के लिए मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य की 42 लोकसभा सीट में से अधिकांश ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण क्षेत्र पंचायतों द्वारा प्रशासित हैं। ऐसे में, इन सीटों पर जीत दर्ज करने वाला दल अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़ सकता है। सौगत राय ने कहा, हमारी पार्टी एक अहम दौर से गुजर रही है। चूंकि पंचायत चुनाव पार्टी के चुनाव चिह्न पर लड़े जाते हैं, इसलिए इससे संबंधित दलों के प्रभाव और कमजोरी का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीएमसी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना है ताकि 2018 के पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसा जैसी स्थिति दोबारा नहीं हो। पांच साल पहले हुए ग्रामीण चुनावों में, टीएमसी ने 90 फीसद पंचायत सीट और जिला परिषदों की सभी 22 सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, ये चुनाव व्यापक हिंसा और कथित कदाचार से प्रभावित थे और तब विपक्ष ने आरोप लगाया था कि उन्हें राज्यभर में कई सीट पर नामांकन दाखिल करने से रोका गया। राय ने कहा, राज्य निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। पार्टी नेतृत्व ने जमीनी कार्यकर्ताओं को पहले ही बता दिया है कि यह सुनिश्चित करना होगा कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। हमारे नेता अभिषेक बनर्जी बार-बार यह कहते रहे हैं। लोकसभा में टीएमसी के नेता सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि स्थानीय नेताओं को पार्टी आलाकमान के निर्देशों को जमीनी स्तर पर लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा, पंचायत चुनाव और उनके परिणाम लोकसभा चुनाव को प्रभावित करते हैं। भले ही हम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा किए गए विकास कार्यों के आधार पर पंचायत चुनाव जीतने के लिए आश्वस्त हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना होगा कि परिणामों के माध्यम से जनादेश और राय परिलक्षित हो। तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा कि पंचायत चुनाव टीएमसी के जनसंपर्क अभियान तृणमूल एह नबोजोवार (तृणमूल में नई लहर) की सफलता का भी परीक्षण होगा, जिसका नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य लोगों से उनके पसंदीदा उम्मीदवारों पर प्रतिक्रिया मांगना है, जिन्हें पार्टी चुनावी मैदान में उतारेगी। टीएमसी नेताओं के अनुसार, पंचायत चुनाव ऐसे समय में होंगे जब उसके कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में हैं, जिनकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की जा रही है।

सम्यक ज्ञान रूपी अमृत सरोवर से अमरता रूपी सिद्धालय को प्राप्त करें: आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पुण्य का फल धर्म से प्राप्त होता है। ज्ञान रूपी सरोवर में अवगाहन करके अणुव्रत , संयम , त्याग, तप आदि से समीचीन ज्ञान को प्राप्त करें। ज्ञान अमृत सरोवर है जिस प्रकार अमृत का पान करने से व्यक्ति अमर हो जाता है ,उसी प्रकार ज्ञान रूपी अमृत सरोवर से आप अमरता रूपी सिद्धालय को प्राप्त कर सकते हैं और चिर काल हमेशा के लिए जन्म मरण के परिभ्रमण से मुक्ति पा सकते हैं। यह मंगल देशना आचार्य शिरोमणि श्री वर्धमान सागर महाराज ने बीसा हूमड़ भवन उदयपुर की धर्मसभा में व्यक्त की। ब्रह्मचारी गज्जू भैया,पारस चित्तौड़ा, राजेश पंचोलिया ने बताया कि आचार्य श्री ने उपदेश में आगे बताया कि आपने पूर्व संचित पुण्य के कारण आर्य खंड के भरत क्षेत्र में तीर्थकरो के जैन कुल में जन्म प्राप्त किया है । आचार्य श्री ने उपदेश में यथाशक्ति अणुव्रत अहिंसा, सत्य, अचोर्य, ब्रह्मचर्य व्रत और परिग्रह का परिमाण कर धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा दी। आपके अच्छे कार्य कर्मो से पुण्य की प्राप्ति होगी। सभी आत्म तत्व को प्रगट कर समीचीन सम्यकज्ञान को प्राप्त कर मनुष्य जीवन को सार्थक करे। आचार्य श्री ने पांडव पुराण के आधार पर बताया कि श्रीराम सम्यक दृष्टि ज्ञानवान थे ,उन्हे सीता जी पर पूर्ण विश्वास था किंतु कुल खानदान के यश कीर्ति लोक लाज अपवाद के कारण सीता जी का त्याग किया।

शांतिलाल वेलावत सुरेश पदमावत ने बताया कि मंगलाचरण के बाद आचार्य श्री शांति सागर जी के चित्र का अनावरण एवम्दीप प्रवज्जलन अतिथियों पदाधिकारियों ने किया। आज दिनांक 15.6.2023 को बीसाहुमड़ भवन तेलीवाड़ा में आयोजित धर्म सभा में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के पाद प्रक्षालन के पुण्यार्जक चंद्र प्रकाश जी कारवा परिवार शास्त्र भेंट खूबी लाल जी अदवासीया परिवार एवं मंगल आरती के पुण्यार्जक रमेश कुमार जी प्रद्युमन जी सेठ परिवार ने लाभ प्राप्त कियासंचालन प्रकाश सिंघवी ने किया। शाम को प्रतिदिन आचार्य श्री की महाआरती होती है। आचार्य शिरोमणी वात्सल्य वारिधि आ श्री वर्धमान सागर महाराज का 34 वा आचार्य पदारोहण 20 जून आषाढ़ सुदी दूज से 25 जून तक सकल जैन समाज उदयपुर द्वारा मनाया जावेगा। कार्यक्रम के पोस्टर का अतिथियों ने विमोचन किया। राजेश पंचोलिया वात्सल्य भक्त परिवार से प्राप्त जानकारी

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

धर्म ओर राष्ट्र हित पर चलने पर देश खुशहाल ओर समृद्ध बन सकता है: प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भुवाणा। युवा पीढ़ी धर्म से जुड़ेगी तभी अपने भविष्य को सुधार सकती है। गुरूवार को भुवाणा देवेन्द्र धाम मे प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुयें कहा कि धर्म साधना वो मार्ग है जिससे मनुष्य अपने आचरण ओर व्यवहार को बदलकर मानव जीवन को संसार मे सार्थक बना सकता है वह तभी संभव हो पाएगा जब व्यक्ति अपने निजी स्वार्थ को छोड़कर धर्म ओर राष्ट्र हित की सोच रखकर आगे बढ़ेगा तभी देश समृद्ध और खुशहाल बन सकता है।युवाप्रणेता महेशमुनि बालयोगी अखिलेश मुनि ने धर्मसभा मे कहा की जीवन मे परिवर्तन तभी आ सकता है जब धर्म मे सलग्न होकर व्यक्ति परमार्थ करेगा तभी भविष्य को सफल बना पाएगा।

धर्मसभा से पूर्व सभी गुरूभगवंतो के देवेन्द्रधाम की कार्यकारिणी अध्यक्षा रजनी डांगी ट्रस्टी मानसिंह रांका,विजय सिंह छाजेड़,प्रकाश झगड़ावत,रमेश खोखावत, सुरेश बडाला, संगीता वर्डिया व शहर पंचायती नौहरा श्री संघ के महामंत्री रोशनलाल जैन, कांती लाल जैन,दिनेश चौरड़िया,प्रकाश नागौरी सुरेश मोदी तथा देवेन्द्र महिला मंडल की अध्यक्षा रेखा चौरड़िया, वंदना छाजेड़, कल्पना चौरड़िया आदि पदाधिकारियों और उदयपुर जैन समाज के सैकड़ों श्रावक श्राविकाओ संतो के पधारने पर अभिनन्दन करते हुये अगवानी की ।प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया की शुक्रवार को प्रातः 8 बजे साईफन चौराहा साधना अपार्टमेंट पर सभी संत पधारेंगे वहा आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करेंगें।

जयपुर व्यापार महासंघ ने नगर निगम ग्रेटर का विरोध जताया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने ग्रेटर नगर निगम द्वारा यूजर चार्ज के नाम पर वसूली का विरोध किया है। मालवीय नगर व मुरलीपुरा जोन, ग्रेटर नगर निगम द्वारा यूजर चार्ज के नाम पर 20/- रुपए से 5000/-रुपए तक के मासिक वसूली के नोटिस जारी किए गए हैं। शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए नगर निगम हाउस टैक्स और UD टैक्स वसूल करता है । पानी के बिल के साथ सीवरेज चार्ज वसूल किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा भी इन्हें सहायता दी जाती है। यूजर टैक्स के नाम पर किसी भी तरह की वसूली गैर वाजिब है।

संगिनी फॉरएवर ग्रुप का समर पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर के द्वारा शानदार वाटर पार्क समर पार्टी का आयोजन किया गया। संगिनी अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका ने बताया कि खाटू श्याम जी के पास में डायमंड वाटर पार्क में सभी सदस्यों ने खूब मस्ती और धमाल किया। जल क्रीड़ाओं का भरपूर आनंद लिया। साथ ही म्यूजिक रेन डांस विभिन्न प्रकार के वाटर स्लाइडिंग रैंप स्विमिंग पूल लहरों के साथ मस्ती भरे समा में पूर्ण रुप से लुफ्त उठाया। सचिव सुनीता गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम सुधा कोठारी एवं दीप प्रज्वलन करता शीला जैन की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। कोषाध्यक्ष उर्मिला के अनुसार 90 संगिनी सदस्यों की उपस्थिति मै कार्यक्रम को सफल बनाने में अनीता शीला मधु अर्चना पुष्पा अंजना बीना मीनाक्षी बबीता अंजना चित्रा लता सभी सदस्यों की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में गेम गिफ्ट प्रायोजक विमला बिलाला सहित सभी सदस्यों का शकुंतला के द्वारा आभार व्यक्त किया गया अंत में सब ने स्वादिष्ट भोजन का भरपूर आनंद लिया और कार्यक्रम का समापन किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने किया हिंदी गीत 'अलख जगाओ मिलकर सारे हमको देश जगाना है' के पोस्टर का विमोचन

बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान पर आधारित है यह गीत

लक्ष्मणगढ़. शाबाश इंडिया

बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान पर आधारित हिंदी गीत ''अलख जगाओ मिलकर सारे हमको देश जगाना है'' के पोस्टर का विमोचन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के सानिध्य में किया गया। यह जानकारी देते हुए अभियान के सह-संयोजक आकाश झुरिया ने बताया कि अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा के मार्गदर्शन में यह गीत कवयित्री डॉक्टर निरुपमा उपाध्याय के द्वारा लिखा गया है जबकि म्यूजिक मुंबई के कमल राणा द्वारा दिया गया है एवं सिंगर कंपोजर रोनी 7 हेमंत शर्मा के द्वारा गाया गया है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि यह प्रयास वाकई सराहनीय हैं एवं यह गीत समाज में नई अलख जगाने का कार्य करेगा। इस दौरान बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान के सदस्य विनीत सोनी सहित टीम के अन्य सदस्य महानुभाव उपस्थित रहे।

निवाई में शुद्ध सागर महाराज का वर्षायोग कराने को लेकर जैन समाज की बैठक आयोजित

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे बिचला जैन मंदिर में मुनि श्री शुद्ध सागर महाराज संध का निवाई में वर्षायोग 2023 कराने को लेकर व्यवस्था सम्बन्धी चर्चा हेतु बैठक समाजसेवी हेमचंद संधी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अनेक श्रद्धालुओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला राकेश संधी एवं सुनील भाणजा ने बताया कि चर्या शिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि श्री शुद्ध सागर महाराज का निवाई में वर्षायोग 2023 का चातुर्मास बिचला जैन मंदिर में करवाया जाएगा जिसकी बैठक में व्यवस्थाएं एवं जिम्मेदारियां समाज के लोगों को सौंपी गई।

खूब सजेगा आदि प्रभु और शांतिनाथ प्रभु का दरबार जगतपुरा की पावन धरा पर

जयपुर. शाबाश इंडिया। वार्षिक महोत्सव 2023 के पावन अवसर पर जगतपुरा मेन मार्केट में स्थित अतिशय कारी प्राचीन श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर का वार्षिक महोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रमों का विशाल आयोजन 17-18 जून को हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विनोद पापडीवाल राकेश पाटनी की जानकारी अनुसार इस पुनीत अवसर पर शनिवार 17 तारीख को प्रातः 7 बजे श्री जी का स्वर्ण कलश से 108 कलशा अभिषेक होगा इस के पश्चात सायं 7 बजे जगतपुरा एवं जयपुर जैन समाज के श्रावक श्राविकाओं द्वारा रिद्धि सिद्धि मंत्रों से 48 दीपकों से संगीतमय श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान एवं 108 दीपकों से संगीतमय महाआरती का भव्य आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर राजेश वर्षा बाकलीवाल डा अविनाश सरिता जैन चित्र अनावरण दीप प्रज्वलित कर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इस मौके पर संगीत जगत के प्रख्यात राष्ट्रीय संगीतकार नरेन्द्र जैन सुभाष बज अपने बेहतरीन गायन ओर स्वर लहरी से श्री भक्तामर स्तोत्र की अनुठी प्रस्तुति देंगे एवं 18 को प्रातः झंडारोहण के पश्चात मंदिर जी श्री की शोभायात्रा एवं घटयात्रा का आयोजन शोभा यात्रा प्रमुख बाजार से होती हुई कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी जहां ध्वजारोहण होने के पश्चात पं. विमल जी जैन बनेठा के नेतृत्व में श्री शांतिनाथ मण्डल का संगीतमय विधान श्रीजी के समक्ष होगा। विशाल आयोजन में सरस डेयरी सीकर झुंझुनूं के मेनेजिंग डायरेक्टर डा राजीव जैन मुख्य अतिथि एवं प्रमुख समाजसेवी सुरेश सोनी माणाक रमेश ठोलिया मनोज सौगानी विनय सौगानी मनोज झाझरी उपस्थित होंगे इस मौके पर उपस्थित सभी उपस्थित धार्मिक बंधुओं का दुपट्टा पहनाकर स्वागत सम्मान किया जायेगा एवं कार्यक्रम समापन होने पर सामूहिक स्वरूचि भोज का आयोजन किया जायेगा।

आचार्य श्री नवीन नंदी जी का भक्तिमय वर्षायोग 2023 बरकत नगर में होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। सर्व विदित है कि स्थानीय बरकत नगर में गत तेरह वर्षो से निरन्तर दिगम्बर साधूओं के वर्षायोग सम्पन्न हो रहे है इस वर्ष आचार्य श्री सिद्धान्त सागर जी महामुनि राज एवं गणाधिपति आचार्य श्री कुन्थुसागर जी महाराज के शिष्य आचार्य श्री नवीन नंदी जी ने समाज द्वारा भावना व्यक्त किए जाने एवं श्रीफल अर्पित किए उपरान्त वर्षायोग 2023 बरकत नगर में स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की। यह बरकत नगर का 14 वा एवं आचार्य श्री का दीक्षा उपरान्त 22 वां वर्षायोग होगा। वर्षायोग समिति के अध्यक्ष चक्रेश कुमार जैन मंत्री निर्मल जैन अलवर बाले कोषाध्यक्ष सतीश जैन संयुक्त मंत्री मुकेश जैन मित्तल योगेन्द्र कुमार जी सतीश जैन अकेला महिला मंडल की अध्यक्ष सरला जैन मंत्री मैना कासलीवाल सांसकृतिक मंत्री शशि जैन शालिनी जैन आदि ने दहमी कला जाकर पूज्यश्री को श्रीफल अर्पित किया। मंत्री निर्मल कुमार जैन के अनुसार संभवतः पूज्य आचार्य श्री नवीन नंदी जी बरकत नगर में प्रवेश 7 जुलाई को होगा।

दुर्गापुरा में चल रहा है समर कैंप

जयपुर. शाबाश इंडिया। ए.आर.एल.प्रजेंट्स पहल थिएटर एन्ड पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप अरिहन्त नाट्य संस्था सहयोगी संस्था त्रिशला सम्भाग दुर्गापुरा जयपुर द्वारा श्री चन्द्र प्रभ दिन्गम्बर जैन मन्दिर दुगार्पूरा मे आयोजित की जा रही है कार्यक्रम कि सयोजिका श्रीमति चन्दा सेठी रेणु पांड्या सुनीता पांड्या ने बताया कि दिनांक 1 जून 25 जून तक यह चलेगी इसमें समाज के 60 बच्चे ड्रामा, डांस, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, ऑब्जर्वेशन, स्पोंटेनियस, डिक्शन, इम्प्रोवाइजेशन, टीम वर्क, लीडरशिप, लिसनिंग, कम्युनिकेशन जैसे लगभग 23 सब्जेक्ट्स बहुत ही बेहतर तरीके से और जोश उमंग उत्साह से सीख रहे हैं। ये कार्यशला अपने आप मे एक अनोखा अनुभव है बच्चों के साथ-साथ पेरेंट्स को भी समर केम्प की एक्टिविटीज से एंव सिखाने वाले शिक्षकों से बहुत खुश है। प्रसिध टी वी ऐक्टर अजय जैन मोहनबाडी इसके निर्देशक है। दुर्गापुरा जैन मन्दिर के अध्यक्ष प्रकाश जी चांदवाड़ सचिव राजेन्द्र जी काला एवं समस्त ट्रस्ट कमेटी का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है।

आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

खुद को समझना ही सबसे बड़ी समझदारी है

शाबाश इंडिया

भारत गौरव साधना महोदधिसिंहनिष्कड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का विहार महाराष्ट्र के ऊदगाव की ओर चल रहा है विहार के दौरान भक्त को कहाँ की खुद को समझना ही सबसे बड़ी समझदारी है..! अभी हम जो बातें दुनिया को सीखा रहे हैं, उन बातों से हम स्वयं अनभिज्ञ हैं। ये कैसी समझदारी है- ? कभी शान्त मन और विचारों के बाजार से मुक्त होकर सोचना--हम स्वयं को शुभ से दूर और अशुभ में लिप्त करते जा रहे हैं। अरे बाबू ! शुभ कार्य में शीघ्रता करो और अशुभ कार्य में विलम्ब। अभी उल्टा हो रहा है - शुभ में विलम्ब हो रहा है और अशुभ में शीघ्रता। ये कैसी समझदारी है भाई - शुभ में प्रमाद और अशुभ में उत्साह- ? प्रमाद में शुभ और अशुभ का विवेक खो जाता है। प्रमाद में मन की ऊर्जा का अपव्यय होता है। इसलिए प्रमाद को हम पाप मानते हैं, और अप्रमाद को पुण्य।प्रमाद पाप का जन्म दाता है तो अप्रमाद पुण्य का जनक। प्रमाद में जोड़ने का भाव होता है और अप्रमाद में छोड़ने का भाव। प्रमाद में रखने का मन होता है और अप्रमाद में देने का भाव। मुनिराजों के प्रमत्त और अप्रमत्त गुणस्थान होते हैं। प्रमत्त गुणस्थान आत्म साधकों को नीचे गिराता है और अप्रमत्त गुणस्थान आत्म साधकों को ऊपर उठाता है। सौ बात की एक बात-जोड़ने में दुःख है और छोड़ने में सुख। देने में सुख, शान्ति, आनंद है और लेने में दुःख और पराधीनता है...! **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com